क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 334, गुरुवार, 03 जनवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

यमुना एक्सप्रेस वे पर हुआ दर्दनाक हादसा, कार पलटने से चार लोगों की मौत

मथुरा। ताज नगरी आगरा को ग्रेटर नोएडा से जोड़ने वाला यमुना एक्सप्रेस वे पर बुधवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ जब कार पलटने से चार लोगों की मौत हो गई वहीं तीन लोग घायल हो गए। इनमें दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई वहीं दो अस्पताल में मरे। यह हादसा माइलस्टोन 65 के निकट नौहझील के पास हुआ। मरे हुए चार लोगों में से तीन दिल्ली के हैं। बता दें कि ये लोग महिंद्रा टीयूवी से बिहारी जी के लिए दर्शन कर दिल्ली आ रहे थे। मृतकों के नाम जसवंत(42), कन्हैया(07), भतीजा चंद्रप्रकाश(22) है। ये दिल्ली के अशोक विहार के रहने वाले थे।

शाहबेरी प्रकरण : कृषि भूमि पर फ्लैट बनाने वाले 3 भू-माफिया पर लगा गैंगस्टर एक्ट

ग्रेटर नोएडा। एजेंसी उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में कृषि भूमि पर अवैध रूप से बहुमंजिली इमारत बनाकर लोगों को फ्लैट बेचने के आरोप में तीन कथित भू-माफियाओं के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी (डीएम) बृजेश नारायण सिंह ने बताया कि जिन तीन भू-माफियाओं के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है उनकी पहचान देव शर्मा, रविंद्र नागर तथा प्रशांत शर्मा के रूप में हुई है।

नोएडा पुलिस की रिपोर्ट पर हुई कार्रवाई

डीएम ने बताया कि नोएडा पुलिस ने उन्हें एक रिपोर्ट देकर बताया था कि शाहबेरी गांव में कुछ भू-माफियाओं ने कृषि भूमि को आवासीय भूमि बताकर उस पर बहुमंजिली इमारत बनाई है तथा धन अर्जित करने के उद्देश्य से लोगों को इनमें बने फ्लैट बेच रहे हैं।

जिले में सक्रिय भू-माफियाओं की हो रही पहचान

उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि भू-माफियाओं ने ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण से न तो फ्लैट बनाने की अनुमति ली थी और ना ही प्राधिकरण से नक्शा पास कराया था। डीएम ने बताया कि जिला प्रशासन जिले में सकिय भू-माफियाओं को चिन्हित कर रहा है जिसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी तथा उनकी संपत्ति को भी कुर्क किया जाएगा। मालूम हो कि 2018 में ग्रेटर नोएडा के शाहबेरी गांव में एक निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत ढह गई थी, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई थी जबकि दर्जनभर लोग घायल हो गए थे।

उत्तर प्रदेश: शादी से 21 दिन पहले प्रेमी संग फरार हुई दुल्हन की मां, जानें पूरा मामला

आगरा। इसी महीने के आखिर में बेटी की बारात आनी थी। घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन युवती की मां को उसका प्रेमी अपने साथ ले गया। शादी के लिए जमा किए ढाई लाख रुपये और जेवरात भी मां साथ ले गई। पीड़ित युवती ने ये आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। ये मामला उत्तर प्रदेश के आगरा का है। न्यू आगरा निवासी एक युवती ने थाने में तहरीर दी है। इसमें कहा है कि उसके पिता की मृत्यु नौ साल पहले हुई थी। वह घरों में काम करके परिवार के पालन पोषण में मदद करती है। उसके पिता के एक दोस्त का घर पर आना जाना था। कुछ समय बाद पिता का एक और दोस्त घर पर आने लगा। युवती ने बताया कि इसी माह के अंत में उसकी शादी की तारीख तय है। घर में शादी की तैयारियां चल रही हैं। शादी के लिए एक-एक करके ढाई लाख रुपये की रकम और कुछ जेवरात जमा किए थे। आरोप है कि 28 दिसंबर को घर आने वाले दोनों लोग उसकी मां को साथ ले गए। मां रुपये और जेवर भी साथ ले गई।

कोलकाता स्थित दक्षिणेश्वर काली मंदिर में नव वर्ष 2019 के पहले दिन दर्शनों के लिए लगी श्रद्धालुओं की कतार।

खौफ में तेजप्रताप यादव, बोले- हो सकती है हत्या, सरकार बढ़ाए सुरक्षा

पटना एजेंसी। राजद नेता तेजप्रताप यादव ने राज्य में विधि व्यवस्था की स्थिति को खराब बताते हुए कहा कि सुशासन में मुझे भी डर लगता है, कोई हमारी भी हत्या ना कर दें। कोई किसी को मार दे, तो बॉडीगार्ड क्या कर लेगा। आतंकी सब इतना आतंक मचा रहा है कि जनता दरबार में भी बम फेंकवा सकता है। बुधवार को तेजप्रताप ने पार्टी कार्यालय में जनता दरबार में मीडिया से बातचीत में मांग की कि राज्य सरकार आम जनता के साथ ही उनकी भी सुरक्षा बढ़ाए। आरोप लगाया कि बिहार में अपराध का ग्राफ बढ़ा है। सरकार सोयी है। यह भी कहा कि अब सरकार जगकर भी क्या करेगी, यह तो जाने वाली है। राजद का लालटेन हाईटेक होगा, उसमें एलईडी लगेगा। राजद का चुनाव चिन्ह लालटेन हाईटेक होगा। इसमें एलईडी बल्ब लगेगा। तेजप्रताप ने कहा कि 15 जनवरी से एलईडी बल्ब युक्त लालटेन का वितरण करेंगे। कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होना ही चाहिए। प्रधानमंत्री को अध्यादेश लाना चाहिए। साथ ही मस्जिद, गुरुद्वारा व चर्च भी बनना चाहिए। तंज किया कि राम मंदिर बनने से भाजपा का मुद्दा ही खत्म हो जाएगा। पार्टी नेताओं में सत्येंद्र पासवान, देवमुनी सिंह यादव, मदन शर्मा, मंजू दास, चंदेश्वर प्रसाद सिंह और छात्र व युवा राजद कार्यकर्ता मौजूद थे।

2 लाख रुपये में भतीजी को बेचा

भिवानी : पैसों के लालच में सगा ताऊ बना हैवान,

भिवानी एजेंसी। हरियाणा के भिवानी जिले में में ओडिशा के एक व्यक्ति ने रुपयों के लालच में अपनी ही भतीजी को जिले के चेजारन ढाणी गांव निवासी संदीप को 2 लाख रुपये में बेच दिया। इसके बाद संदीप ने उसके साथ जबरन विवाह कर लिया तथा उसे घर में ही बंधक बना लिया।

पुलिस ने बताया कि पीड़िता का यौन शोषण भी किया गया। एक दिन घर की खिडक़ी खुली रहने पर पीड़िता ने छत से छलांग लगा दी। इस घटना में उसकी टांगें टूट गई। इसके बाद किसी राहगीर महिला ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने बताया कि चाइल्ड वेल्फेयर काउंसिल और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता को सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। पीड़िता से जब इस बारे में पूछा गया तो उसने बताया कि वह मूलरूप से ओडिशा की रहने वाली है तथा पिछले दो माह से एक घर में कैद थी। उसने बताया कि उसके बड़े पापा (ताऊ) ने उसे 2 लाख रुपये में भिवानी के संदीप को बेच दिया था। संदीप उसे यहां ले आया तथा जबर्दस्ती उससे एक धर्मशाला में विवाह रचा लिया और उसके साथ बलात्कार किया। युवती ने बताया कि उसने आजाद होने के कई बार प्रयास किए, लेकिन हर बार वह नाकाम रही। उसे एक कमरे में बंद करके रखा जाता था। उसे खाना पीना भी बहुत कम दिया जाता था। उस पर हर समय नजर रखी जाती थी।

पीएम मोदी ने न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में किया साफ

संविधान के तहत बनेगा राम मंदिर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नए साल पर पीएम मोदी ने न्यूज एजेंसी को पहला इंटरव्यू दिया। इस इंटरव्यू में पीएम ने कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने राम मंदिर से लेकर नोटबंदी और सर्जिकल स्ट्राइक पर अपनी बात जनता के सामने रखी।

- राम मंदिर पर अध्यादेश नहीं लाया जाएगा। कानूनी प्रक्रिया से मामला सुलझाया जाएगा। इस पर कोर्ट के फैसले का इंतजार किया जाएगा।
- जिन्होंने चार पीढ़ी तक देश पर शासन किया, अब जमानत पर हैं वो भी वित्तीय अनियमितता के चलते। ये बड़ी बात है। -2019 का चुनाव महागठबंधन बनाम जनता। 0 नोटबंदी कोई झटका नहीं था, हमने एक साल पहले ही जनता को बता दिया था कि अगर आपके पास काला धन है तो जमा कर दीजिए, कुछ जुर्माना भर दीजिए। लेकिन उन्हें लगा कि मोदी भी बाकियों की तरह ऐसे ही बोल रहे हैं।
- सर्जिकल स्ट्राइक के मुद्दे पर: एक लड़ाई से पाकिस्तान सुधर जाएगा यह सोचना बहुत बड़ी गलती है, उसे सुधारने के लिए हमें और समय चाहिए।
- सर्जिकल स्ट्राइक का फैसला रिस्क था, लेकिन मुझे सैनिकों की फिक्र थी।
- टैक्स देने वालों की संख्या बढ़ी है, ये हमारी सफलता है।
- आर्थिक अपराधियों को भागना क्यों पड़ा, इसलिए पड़ा क्योंकि यहां पर कानून का पालन करना पड़ेगा, पाई पाई चुकता करना पड़ेगा। उन्हें लाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून का इस्तेमाल किया जाता है। उनकी संपत्ति जब्त करने का कानून बनाया है। आज नहीं तो कल कभी न कभी आएंगे। हम पाई पाई वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

- नोटबंदी झटका नहीं था, एक साल पहले ही दी थी वॉर्निंग
- सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ही अध्यादेश लाने पर करेंगे विचार

क्या मिडिल क्लास के लिए आपके पास कुछ है?

जवाब- हमें सोच बदलनी पड़ेगी। मिडिल क्लास स्वाभिमान से चलने वाला वर्ग है। वह किसी की दया पर नहीं जीता। नीचे के तबके को कुछ मिलना चाहिए, ऐसा मिडिल क्लास सोचता है। महंगाई घटाई है और इसका फायदा मिडिल क्लास को मिला है। मुद्रा योजना चलाई है। 15 करोड़ मुद्रा लोन दिए गए। सबसे ज्यादा फायदा मिडिल क्लास को मिला है। हमने मिडिल क्लास को घर बनाने के लोन में छूट दी है।

- सिर्फ कर्जमाफी से किसानों का भला नहीं होगा। स्थिति बनानी चाहिए कि किसान कर्ज ना लें।
- तीन तलाक पर अध्यादेश सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद लाया गया। लेकिन राम मंदिर का मामला सुप्रीम कोर्ट में है। संविधान के तहत ही काम करेंगे। मंदिर पर कानूनी प्रक्रिया के बाद ही अध्यादेश पर विचार। कांग्रेस के वकीलों ने सुनवाई में रुकावट डाली।
- लिचिंग जैसी घटनाएं सभ्य समाज को शोभा नहीं देता, गलत है निंदनीय है। लेकिन ऐसा क्या 2014 के बाद ही हुआ। ये समाज के अंदर से हुआ। हम सबको मिलकर काम करना होगा। इस सरकार को करना चाहिए उस सरकार को करना चाहिए इसमें नहीं पड़ना चाहता, एक भी घटना हुई है तो निंदनीय है। हमें दूसरों की भावनाओं का आदर करना चाहिए।

यूपी के 15 लाख बिजली कर्मचारी 8 जनवरी को करेंगे हड़ताल, जानिए क्या है वजह

कानपुर। इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल 2019 और निजीकरण के विरोध में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने हल्ला बोल दिया है। आठ और नौ जनवरी को प्रदेश के 15 लाख बिजली कर्मचारी हड़ताल पर रहेंगे। ग्रिड व उत्पादन के कर्मचारियों को छोड़कर बाकी कोई काम नहीं करेंगा। यह ऐलान विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने केस्को मुख्यालय गेट पर आंदोलन के दौरान किया। केस्को मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में संयोजक शैलेंद्र दुबे ने कहा कि बिल के जरिए सरकार प्राइवेट कंपनियों को मुनाफा देने के लिए बिजली व्यवस्था को निजी हाथों में लाइसेंस के जरिए देने जा रही है। इसमें सिस्टम सरकार का होगा और मुनाफा बिना पैसा लगाए प्राइवेट कंपनी लेगी। तीन साल बाद बिजली की सब्सिडी भी खत्म कर दी जाएगी। ऐसे में 6.74 रुपए प्रति यूनिट में मिल रही बिजली महंगी होगी। गरीबों को महंगी और अमीरों को सस्ती बिजली मिलेगी। सरकार ज्यादा बिजली बिल लेकर डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर पर उपभोक्ता के पैसे उनके खाते में वापस करने की बात कर रही है।

आईएस मॉड्यूल मामला आईएस मॉड्यूल मामला पांच जगहों पर मारे गए छापे

अमरोहा में नए सिरे से एनआईए के छापे

अमरोहा एजेंसी। एनआईए ने पिछले महीने इस्लामिक स्टेट के एक नए मॉडयूल हरकत-उल-हर्ब-ए-इस्लाम का पर्दाफाश होने के सिलसिले में मंगलवार को यहां नए सिरे से छापेमारी की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

एनआईए द्वारा 26 दिसंबर को समूह के सरगना सहित 10 संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया गया था, जो कथित रूप से कुछ राजनीतिक हस्तियों, सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर और दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भीड़-भाड़ वाले इलाकों में हमला करने की योजना बना रहे थे। एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा, ''''आज अमरोहा में पांच जगहों पर छापे मारे जा रहे हैं।

'' यूपी एटीएस के साथ मिलकर एनआईए ने यह छापेमारी की। दोनों की संयुक्त टीम ने सैदपुर इम्मा और पिलाकुंड गांव में छापेमारी की। बताया जाता है कि पहले गिरफ्तार किए जा चुके सईद से पूछताछ के आधार पर यह कार्रवाई की गई।

इसके तहत टीम सईद को सैदपुर इम्मा स्थित उसके घर भी ले गई। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि टीम को इस छापेमारी में क्या नई जानकारी हासिल हुई है। इससे पहले दिसंबर में एनआईए ने 17 जगहों पर छापे मारे थे। इनमें दिल्ली के जाफराबाद इलाके में छह, अमरोहा में छह, लखनऊ और हापुड़ में दो-दो जगहों और मेरठ में एक जगह छापा मारा गया था।

छापेमारी के दौरान 150 राउंड गोला-बारूद के अलावा स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर, 12 पिस्तौल, 112 अलार्म घड़ियां, 100 मोबाइल फोन, 135 सिम कार्ड, कई लैपटॉप और विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक गैजेट बरामद हुए थे।

नए साल के स्वागत में यूपी के लोगों ने गटक ली इतने लाख लीटर शराब

लखनऊ। बीते साल को अलविदा और नए साल का स्वागत करते हुए उत्तर प्रदेश के शराब के शौकीनों ने नए साल की पूर्व संध्या पर 50 लाख लीटर शराब गटक ली। एक अधिकारी ने आबकारी विभाग के रिकॉर्ड के हवाले से बुधवार को यहां इस बात की जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि नए साल की पूर्व संध्या पर यह बिक्री दर्ज की गई। 2019 के पहले दिन शराब की बिक्री की जानकारी जुटाई जा रही है। आकंड़े बताते हैं कि शराब की दुकानों पर 31 दिसंबर को बिक्री लगभग दोगुनी रही। इसमें घरों व होटलों में लोगों द्वारा पी गई शराब शामिल नहीं है। नए साल की पूर्व संध्या पर 31 लाख लीटर देशी शराब की भी बिक्री हुई है। आंकड़े दर्शाते हैं कि भारतीय निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) की 18 लाख बोतलें बिकीं और बीयर की बिक्री ने 23 लाख बोतलों का आकंड़ा छुआ। आबकारी विभाग ने एजेंसी को बताया कि पिछले साल नववर्ष की पूर्व संध्या पर शराब की बिक्री की तुलना में इस साल वृद्धि देखी गई। आबकारी विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, हर साल शराब की बिक्री होली और नए साल की पूर्व की शाम पर बहुत अधिक होती है। आंकड़े दर्शाते हैं कि औसतन हर महीने आईएमएफएल की 1.60 करोड़ बोतलें और बीयर की 2.9 करोड़ बोतलें बिकती हैं।

21 श्रेणी के दिव्यांगों को सरकारी पेंशन व अन्य सहायता मिलेगी

समाज कल्याण विभाग ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली एजेंसी। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 अब राजधानी में लागू हो गया है। समाज कल्याण विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। केंद्र सरकार के इस नए कानून के तहत दिल्ली में रहने वाले 21 श्रेणियों के करीब तीन लाख दिव्यांगों को दिल्ली सरकार की पेंशन और अन्य सहायता मिलने का रास्ता साफ हो गया है। पहले ही समाज कल्याण विभाग के ड्रॉफ्ट रूल्स को उपराज्यपाल अनिल बैजल ने मंजूरी दी थी। इस कानून के लागू नहीं होने से 7 श्रेणियों में महज 78,447 दिव्यांगों को ही सरकारी पेंशन और अन्य सुविधाएं मिल रही थीं। अब नया कानून के लागू हो जाने से 21 श्रेणियों के करीब तीन लाख दिव्यांगों को हर माह 2500 रपए की पेंशन व अन्य सरकारी सुविधाएं मिलने का रास्ता साफ हो गया है। सूत्र बताते हैं कि विभाग द्वारा कराए गए आंतरिक अध्ययन में सामने आया है कि दिव्यांगों की संख्या करीब 10 लाख है। लेकिन 40 प्रतिशत या इससे अधिक की दिव्यांगता होने पर ही कोई दिव्यांग सरकारी सहायता का लाभ उठा सकता है। यह संख्या करीब तीन लाख हो सकती है। पक्षाघात, एसिड हमले की पीड़ित, कम दृष्टि, दृष्टिहीनता, श्रवण क्षति, सुनने में कठिनाई, गति संबंधी दिव्यांगता, मांसपेशीय दुर्विकास, ठीक हुआ कुष्ठ रोग, बौनापन, प्रमस्तिष्क, वाक और भाषा दिव्यांगता, बौद्धिक दिव्यांगता, विशिष्ट शिक्षण दिव्यांगता, ऑटिज्म, स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, मानसिक रुग्णता, क्रोनिक स्नायविक स्थिति, बहुल काठिन्य, पार्किंसन रोग, हीमो फीलिया, थैलेसीमिया को इन 21 श्रेणी में रखा गया है।

नए कानून के अनुसार दिव्यांगों तक सरकारी सहायता की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक जिले में एक वरिष्ठ अधिकारी की अगुवाई में टीम गठित करने की योजना है। यही विशेषज्ञ की टीम सुनिश्चित करेगी कि दिव्यांगों को पर्याप्त सुविधाएं मिल सकें।

पीयूष गोयल के खिलाफ लेख लिखने वाले पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। एक लेख में रेल मंत्री पीयूष गोयल पर आक्षेप लगाने और वरिष्ठ अधिकारियों की बुद्धिमत्ता पर सवाल खड़े करने को लेकर रेल मंत्रालय ने केंद्रीय मंत्री जीतेंद्र सिंह के ओएसडी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का फैसला किया है। आधिकारिक दस्तावेजों में यह जानकारी दी गई रेलवे बोर्ड के सचिव रंजनीश सहाय ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को पत्र लिखकर आधिकारिक शिष्टाचार का उल्लंघन एवं दुराचार के मामले में भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा (आईआरपीएस) के 2005 बैच के अधिकारी संजीव कुमार को तत्काल वापस बुलाने को कहा। कुमार जीतेंद्र सिंह के विशेष कार्य अधिकारी हैं।

संपादकीय

साल 2018 कई मायनों में खास रहा। यह साल राजनीति के लिए ढेर सारी संभावनाओं को जीवित छोड़ दिया है, जो इस वर्ष फलीभूत होती दिखाई देंगी। भाजपा के खिलाफ बन रहे विपक्षी पार्टियों के महागठबंधन की बात हो या फिर कांग्रेस के हिंदुत्व का चोला ओढ़ने के बाद राजनीति की बदली तस्वीर की, सारे जवाब मिलेंगे। राममंदिर को लेकर भाजपा के एजेंडे के भी सामने आने की संभावना है।

साफ तस्वीरों के बीच धुंधलापन

वर्ष 2018 का अंत ऐसी राजनीतिक घटनाओं के मध्य हुआ है, जिसमें हमें कुछ साफ तो कुछ धुंधली तस्वीरें नजर आएंगी। कुछ साफ तस्वीरों में भविष्य की रेखाएं धुंधली हैं तो धुंधलापन में भी आगे का राजनीतिक रेखाचित्र दिख रहा है। चूंकि 2019 के आम चुनाव का राजनीतिक आगाज हो चुका है इसलिए सारी घटनाओं को उनसे संबद्ध कर देखा जाना स्वाभाविक है। वर्ष का अंत पांच राज्यों के चुनावों से हुआ, जिनमें भाजपा शासित तीन प्रमुख राज्यों में कांग्रेस की विजय पताका फहराने की कल्पना वर्ष की शुरुआत में किसी ने नहीं की थी। भाजपा द्वारा तीन राज्य गंवाने की एक साफ तस्वीर है। इन राज्यों की 65 लोकसभा सीटों में से 2014 में भाजपा ने 62 जीती थी, इसलिए उसकी पेशानी पर बल पड़ना स्वाभाविक है। कांग्रेस में उत्साह है और वह 2019 में अपने पुनरुत्थान का सपना संजो रही है। हालांकि तेलंगाना में कांग्रेस, तेलुगू देशम, तेलंगाना जन समिति व भाकपा के गठबंधन की जो बुरी दशा हुई वह भी इनके लिए अकल्पनीय थी। यह परिणाम कांग्रेस एवं तेलुगू देशम दोनों के लिए आघात है व आंध्र एवं तेलंगाना में 2019 की चुनौतियां साफ दिखने लगी हैं। कांग्रेस के लिए उम्मीद की एक ठोस तस्वीर बिहार से भी आई जब उसके दिल्ली स्थित मुख्यालय में राजद के नेतृत्व में विपक्षी पार्टियों ने गठबंधन का सार्वजनिक संकल्प प्रदर्शित किया। इसमें राजग का हिस्सा रहे उपेंद्र कुशवाहा भी शामिल हुए। साफ हो गया कि बिहार में दोनों गठबंधनों के बीच सघन संघर्ष होगा।

अगर आधार यह बनाएं कि क्या संसदीय लोकतंत्र के स्वस्थ होने की दृष्टि से इनके पीछे विचारधारा या भारत के सुखद भविष्य की किसी व्यापक कल्पना का आधार है तो निश्चय ही निराशा हाथ लगेगी। अगर कुशवाहा ने राजग का साथ छोड़ा तो उसके पीछे कोई विचारधारा या व्यापक सोच नहीं थी और शिवसेना ने पिछले वर्ष के शुरू में अपनी कार्यकारिणी में भाजपा के साथ चुनाव नहीं लड़ने का प्रस्ताव प्रस्ताव पारित किया तो केवल महाराष्ट्र में अपना दम दिखाने का दंभी भाव ही था। मार्च में तेलुगू देशम ने केंद्र सरकार और राजग से अलग होने का निर्णय किया तो केवल इसलिए कि प्रदेश की पार्टियों ने आंध्र को विशेष दर्जा न दिला पाने के नाम पर उनकी नाक में दम कर दिया था, अन्यथा वे कई बार कह चुके थे विशेष राज्य का दर्जा से ज्यादा वित्त और मदद मिल रही है तो लेने में क्या हर्ज है। आज वे लोकतंत्र बचाओ के नाम पर गैर भाजपा दलों को जोड़ने की मुहिम का अगुवा बन रहे हैं तो उसके पीछे सिर्फ अपनी राजनीतिक हैसियत बनाए रखने का भाव ही है। बाकी सब पाखंड है। लोकतंत्र को यदि संकट है तो ऐसी ही विचारहीनता और अवसरवादी राजनीतिक आचरणों से जो ये कर रहे हैं।

जब विचारधाराविहीनता की प्रचंड प्रतिस्पर्धा हो तो राजनीति कैसी शक्ल लेती है इसका साक्षात परिणाम देखिए। जिस उत्तर प्रदेश पर 2019 का भविष्य आधारित हो सकता है वहीं 2018 के अंत में गठबंधन में ग्रहण लग गया है। सपा के अखिलेश यादव ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से मिलने की घोषणा कर दी है जिसका अर्थ यह है कि वे कांग्रेस के साथ गठबंधन करने की अभी मनःस्थिति में नहीं हैं। बसपा ने भी कांग्रेस से किनारा कर लिया है। तो कांग्रेस के लिए तीन राज्यों के चुनावों से पैदा उम्मीदों पर सबसे बड़े राज्य में विराम लगता दिख रहा है। चंद्रशेखर राव ने मार्च में ही गैर कांग्रेस एवं गैर भाजपा गठबंधन के लिए प्रयास आरंभ किया था। उन्होंने तेलंगाना विजय के बाद दोबारा उसी रास्ते पर चलना शुरू कर दिया है। वे कोलकाता में पिछली बार की तरह ममता से मिले, उड़ीसा में नवीन पटनायक से मिले। अब अन्य नेताओं से भी वे मिलेंगे। इसी प्रयास से महागठबंधन यानी भाजपा विरोधी एकजुटता का सपना धाराशायी होता दिख रहा है। यह उम्मीदों कि किरण के सामने धुंधलका ही तो है। जब राजनीति वैचारिकता से परे केवल सत्ता पाने की हीन क्रीड़ा बन जाती है तो ऐसा ही दृश्य उभरता है। नाम सभी भाजपा को पराजित करने का ले रहे हैं किंतु किंचित भी त्याग को तैयार नहीं।

भाजपा के लिए पिछला वर्ष कई स्तरों पर आघात पहुंचाने वाला था। पिछले वर्ष लोकसभा के 12 उपचुनाव हुए, जिसमें उसके पास नौ सीटें थीं। आठ सीटें हार गई। खतरे की घंटी वाला परिणाम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गोरखपुर एवं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या का फूलपुर था। उनमें औसत से कम मतदान का अर्थ मतदाताओं की बेरुखी थी। हालांकि कैराना में भाजपा ने टक्कर दी, फिर भी पराजित हो गई। इन परिणामों का संकेत भाजपा के मतदाताओं का उदासीन होना है। कर्नाटक से उसे उम्मीद थी लेकिन चुनाव में वह 104 पर ही अटक गई और एक दूसरे की जान की प्यासी जद-से एवं कांग्रेस के नेताओं ने हाथ मिला लिया। यहां से गठबंधन की नींव पड़ी जो 2019 में भाजपा के लिए प्रदेश में बड़ी चुनौती बन जाएगी। हालांकि एचडी कुमारस्वामी के शपथग्रहण में जो विपक्षी एकता दिखी वह कुछ समय बाद ही लुंठित होने लगी। मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में सपा-बसपा कांग्रेस से अलग लड़ीं। ममता पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और वामदलों को सीटें देने को तैयार नहीं। अपने-अपने स्वार्थों पर अड़ी ऐसी राजनीतिक भंगिमाओं के साथ 2018 का अंत हुआ है तो हम भविष्य की कोई साफ रूपरेखा खींचें भी तो कैसे? और किस तरफ से।

भाजपा ने बिहार में सीटों का बंटवारा कर नकारात्मक सुर्खियां बनने से अपने को बचा लिया है, पर उसके कार्यकर्ताओं में असंतोष है। जीती हुई पांच सीटें छोड़ने, दो सीटों वाली जदयू को बराबर का हिस्सेदार बनाने तथा लोजपा को उसकी हैसियत से ज्यादा महत्व देने को भाजपा के कार्यकर्ता पचा नहीं पा रहे हैं। इससे यह प्रश्न उठाया जा रहा है कि क्या भाजपा ने 2019 के लिए लक्ष्य 2014 से कम कर दिया है? जब पांच सीटें आपने छोड़ दीं तो प्रश्न उठेगा। शिवसेना महाराष्ट्र में घर फूंक तमाशा बनाने को तैयार है। जिस तरह का हमला वह भाजपा पर कर रही है उसके दो ही अर्थ है या तो अलग चुनाव लड़ेगी या ज्यादा सीटें चाहेगी। अलग चुनाव आत्मघाती होगा उसे पता है। अभी तक भाजपा ने सार्वजनिक तौर पर शिवसेना से बातचीत करने की पहल नहीं की। भाजपा ने जम्मू कश्मीर की राजनीति में पीडीपी से गठबंधन तोड़कर यह संदेश तो दिया कि एक सीमा से ज्यादा वह राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं कर सकती। पिछले वर्ष भाजपा को बड़ी चुनौती अपने ही संगठन परिवार से मिली है। रामजन्म भूमि पर संघ प्रमुख के बयान के बाद सुनियोजित तरीके से आंदोलन चल रहा है, धर्म संसद हो रही हैं और भाजपा को अल्टीमेटम है कि मंदिर बनाने का रास्ता प्रशस्त करो।

कांग्रेस ने भी 2018 में हिंदुत्व का चोला पहना। इस नाते राजनीति के लिए बड़े परिवर्तन का वर्ष रहा। राहुल गांधी को जनेउधारी और सगोत्र ब्राह्मण यानी निष्ठावान हिंदू प्रचारित करने की कांग्रेस की रणनीति के सामने भाजपा पशोपेश में रही। जितनी प्रखरता से कांग्रेस ने स्वयं को हिंदू धर्म के निकट होना प्रचारित किया भाजपा नहीं कर पाई। यह आगे खींचा तो 2019 का केंद्रीय मुद्दा हिंदुत्व बन सकता है। हालांकि तेलंगाना में कांग्रेस का दूसरा ही रूप रहा, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर राहुल गांधी को एक धार्मिक हिंदू साबित करने की पूरी कोशिश हुई। मंदिर के प्रश्न पर कांग्रेस ने बहस से अपने को अलग रखने की रणनीति अपनाई है। वर्ष का अंत इस प्रश्न के साथ हुआ है कि भाजपा ने जिस रामजन्मभूमि आंदोलन को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का प्रतीक मानकर देश को आलोकित किया था उसके प्रति प्रतिबद्धता है या नहीं? साथ ही कांग्रेस हिंदुत्व का ध्वजवाहक होने का जो प्रदर्शन कर रही है उसकी असलियत क्या है?

अवधेश कुमार
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

हरफनमौला थे कादर खान

लंबे वक्त से बीमार मशहूर अभिनेता कादर खान का कनाडा में निधन हो गया। उन्होंने फिल्मी करियर में अलग-अलग भूमिकाएं निभाकर दर्शकों के दिलों पर राज किया। कादर खान जैसे हरफनमौला कलाकार पूरी दुनिया के दिलों में जाने के बाद भी जिंदा रहेंगे।

नए साल का पहला दिन न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि पूरे देश के लिए बेहद दुखद साबित हुआ है। लंबे वक्त से बीमार चल रहे मशहूर अभिनेता कादर खान का कनाडा में निधन हो गया। लंबी बीमारी के कारण कनाडा के समय के अनुसार 31 दिसंबर को शाम 6 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। वह दोपहर में कोमा में चले गए थे। कादर खान ने हिंदी सिनेमा में 300 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया। 200 फिल्मों का लेखन किया। 70 के दशक में कादर खान जाने माने स्क्रीन राइटर हुआ करते थे। कादर खान का जन्म 22 अक्टूबर 1937 को अफगानिस्तान के काबुल में हुआ था। कादर खान बॉम्बे यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग ग्रैजुएट भी थे। इस बात की बहुत कम लोगों को जानकारी है। उर्दू पर उनकी उम्दा पकड़ थी। आज भी उनके लिखे संवाद लोगों की जेहन में ताजा हैं। बीमारी के बाद उन्होंने अभिनेता शक्ति कपूर से आखिरी बातचीत में कहा था कि वो बॉलीवुड में वापसी करेंगे। हालांकि अब यह कभी संभव नहीं हो पाएगा। उनके निधन से नए साल का जश्न फीका हो गया और पूरा देश शोक में है। बॉलीवुड सितारों से लेकर राजनीतिक हस्तियों और आम लोग तक उनके जाने के गम में डूबे हैं।

कादर खान वर्सेटाइल एक्टर थे। कादर खान ने अनाड़ी, बेनाम, सुहाग, मिस्टर नटवरलाल, अदालत, परवरिश, मुकद्दर का सिकंदर, हम, नसीब, याराना, सनम तेरी कसम, हिम्मतवाला, सिक्का, मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, आंखें, साजन चले ससुराल, बाप नंबरी बेटी दस नंबरी जैसी फिल्मों में काम किया। सिल्वर स्क्रीन पर कादर खान और गोविंदा की जोड़ी ने धमाल मचाया। कादर खान ने फिल्मी करियर में अलग-अलग भूमिकाएं निभाकर दर्शकों के दिलों पर राज किया। उन्हें नेगेटिव और कॉमिक दोनों ही रोल में पसंद किया गया और दर्शकों को खूब गुदगुदाया। हालांकि, पर्दे पर सबको हंसाने वाले इस ऐक्टर ने अपनी जिंदगी में काफी दुख झेला है। उन्होंने जीवन में काफी उतार-चढ़ाव देखे। माता-पिता मुफलिसी की वजह से एक-दूसरे से अलग हो गए। उनके नाना के कहने पर उनकी मां की दूसरी शादी भी हुई, लेकिन सौतेले पिता से तनाव शुरू हो गया। समय आगे बढ़ता रहा और उन्होंने मंच पर एक नाटक लोकल ट्रेन किया और दिलीप कुमार ने इस नाटक को देखने की इच्छा जताई। दिलीप कुमार ने उन्हें अपनी फिल्मों के लिए उन्हें चुन लिया। सगीना महतो और बैराग में ऐक्टिंग के साथ जवानी दीवानी के लिए डायलॉग लिखने का भी काम शुरू कर दिया। अमिताभ से लेकर कई फिल्मों के बड़े-बड़े ऐक्टर्स उन्हीं के डायलॉग बोलकर रुपहले पर्दे पर छा गए। कहते हैं हाल के दिनों में बीमार रहने के बावजूद कादर खान रंगमंच से जुड़े रहे और नए कलाकारों को शिक्षा देते रहे। आज वह भले हमारे बीच न हों, लेकिन दुनिया उनकी अदाकारी को हमेशा उन्हें याद रखेगी। कादर खान जैसे लोग काफी मुद्दतों के बाद आते हैं। बॉलिवुड के हरफनमौला कलाकार को हमारा आखिरी सलाम।

नया साल देगा बेहतर अर्थव्यवस्था

सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज यानी सीबीडीटी के अनुसार, एक करोड़ रुपए से अधिक आय अर्जित करने वाले करदाताओं की कुल संख्या वित्त वर्ष 2017-18 में 68 प्रतिशत बढ़कर एक लाख 40 हजार हो गई, जो वित्त वर्ष 2013-14 में 89 हजार थी। इस अवधि में आयकर जमा करने वालों की संख्या में भी 80 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। वित्त वर्ष 2013-14 में 3.79 करोड़ लोगों ने आयकर रिटर्न दाखिल किया था, जो कि वित्त वर्ष 2017-18 में बढ़कर कुल 6.85 करोड़ हो गया। सीबीडीटी के अध्यक्ष सुशील चंद्रा के अनुसार वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान प्रत्यक्ष कर और जीडीपी अनुपात 5.98 प्रतिशत रहा, जो विगत 10 वर्षों में सबसे बेहतर है। जीएसटी में केंद्र की हिस्सेदारी से चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। वहीं, राज्य जीएसटी प्रतिपूर्ति कानून में संशोधन से प्रतिपूर्ति की रकम का उपयोग न करने पर 50 प्रतिशत राशि को पांच सालों के दौरान किसी भी साल केंद्र की संचयी निधि में हस्तांतरित किया जा सकता है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह में तकरीबन 300 अरब रुपए से ज्यादा की वृद्धि होने की संभावना है। अक्टूबर के तीसरे हफ्ते तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 15.7 प्रतिशत बढ़कर चार हजार 890 अरब रुपए पहुंच गया है, जो पूरे साल के प्रत्यक्ष कर संग्रह लक्ष्य का 42 प्रतिशत से भी अधिक है। विनिवेश से सरकार को 800 अरब रुपए मिलने का अनुमान है, क्योंकि मार्च से पहले कुछ विलय एवं रणनीतिक बिक्री होने की उम्मीद है, जिसमें एयर इंडिया की ग्राउंड हैंडलिंग इकाई और पीएफसी का विनिवेश शामिल है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत रही, जो तीन तिमाहियों का निचला स्तर है। पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर चार सालों के उच्च स्तर 8.2 प्रतिशत पर थी।

बहरहाल, दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर कम होने के बावजूद भारत सबसे तेज गति से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बनी है। इस अवधि में चीन की विकास दर 6.5 प्रतिशत रही है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रही, जो पिछले साल की समान अवधि के 5.8 प्रतिशत से अधिक है। निर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर दूसरी तिमाही में 7.8 प्रतिशत रही, जो पहली तिमाही में 8.7 प्रतिशत थी। इंडिया रेटिंग्स ऐंड रिसर्च के अर्थशास्त्री देवेंद्र पंत का कहना है कि अमूमन सितंबर तिमाही में निर्माण की गतिविधियां सुस्त पड़ जाती हैं, जिसमें आमतौर पर अक्टूबर महीने से तेजी आ जाती है। जीडीपी में कम वृद्धि का कारण कृषि, निर्माण, विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों में वृद्धि की रफ्तार का सुस्त रहना है। कृषि क्षेत्र में सुस्ती का मुख्य कारण मानसून का अपेक्षित नहीं रहना, किसानों को बैंकों से समय पर पूंजी नहीं मिलना है। बैंक आजकल फंसे कर्ज की समस्या की वजह से कर्ज वितरण से परहेज कर रहे हैं। हाल के महीनों में कृषि क्षेत्र में फंसे कर्ज की राशि में बढ़ोतरी हुई है।

आर्थिक मोर्चों पर भारत के लिए पिछला साल बेहद कामयाबी भरा रहा। करदाताओं की कुल संख्या वित्त वर्ष 2017-18 में 68 प्रतिशत बढ़कर एक लाख 40 हजार हो गई, तो बैंकों का एनपीए भी सुधर गया। कारोबारी सुगमता की रैंकिंग में भारत ने 190 देशों की सूची में 23 पायदान की छलांग लगाते हुए 77वें स्थान पर पहुंच गया। इस साल भारत ने जो लक्ष्य तय किए हैं, उनके पूरा होने की उम्मीद तो है।

मौजूदा समय में बैंक नकदी की तरलता, ऋण जोखिम, धोखाधड़ी, फंसे हुए कर्ज आदि का सामना कर रहा है। बावजूद इसके सरकारी बैंकों के लिए चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही का परिणाम मिला-जुला रहा। कुछ सरकारी बैंक दूसरी तिमाही में मुनाफे में आ गए तो कुछ अभी भी घाटे में हैं। भारतीय स्टेट बैंक ने दूसरी तिमाही में 945 करोड़ रुपए का मुनाफा अर्जित किया है। केनरा बैंक भी दूसरी तिमाही में 300 करोड़ का मुनाफा अर्जित करने में सफल रहा। हालांकि, बैंक ने इस अवधि में 1700 करोड़ रुपए की वसूली की, पर इस राशि का अधिकांश हिस्सा फंसे कर्ज के लिए किए गए प्रावधान में चला गया। सरकार ने निवेश को प्रोत्साहन देने और कारोबारी सुगमता को बढ़ाने के लिए तरह तरह के सुधार किए हैं। पिछले वर्ष कारोबारी सुगमता की रैंकिंग में भारत ने रिकॉर्ड 30 पायदान सुधार कर 100वां स्थान हासिल किया था। इस बार विश्व बैंक की 2019 की कारोबारी सुगमता की वैश्विक रैंकिंग में भारत 50वां स्थान को पाना चाहता था, लेकिन वह 190 देशों की सूची में 23 पायदान की छलांग लगाते हुए 77वें स्थान पर पहुंच सका।

आर्थिक सुधारों की वजह से विश्व बैंक ने भारत को लगातार तीसरे साल उल्लेखनीय सुधार करने वाली अर्थव्यवस्था करार दिया। सरकार द्वारा उठाए गए सुधारात्मक कदमों की वजह से ही भारत चार सालों के अंदर 142वें स्थान से 77वें स्थान पर पहुंच सका। रिपोर्ट के अनुसार कारोबारी माहौल में सुधार के लिहाज से भारत दुनिया भर में पांचवां सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला देश रहा है। विश्व बैंक ने इस मामले में सबसे अधिक सुधार करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में भारत को 10वें स्थान पर रखा है। कारोबारी माहौल में सुधार को आंकने के लिए विश्व बैंक ने जो 10 मानदंड रखे हैं, उनमें से छह मानदंडों में भारत ने सुधार किया है। इन मानदंडों में कारोबार शुरू करना, निर्माण परमिट, बिजली की सुविधा प्राप्त करना, कर्ज प्राप्त करना, करों का भुगतान, सीमापार व्यापार, अनुबंधों को लागू करना और दिवाला प्रक्रिया से निपटना शामिल है। अगर भारत की रैंकिंग और सुधरती है तो वैश्विक स्तर की नामचीन रेटिंग एजेंसियां भारत को वर्तमान के मुकाबले बेहतर रेटिंग दे सकती हैं, जिससे भारत पर निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा और कारोबारी माहौल भी बेहतर होगा।

देश में आयकर जमा करने वालों की संख्या बढ़ रही है। साथ ही, आयकर जमा राशि में भी भारी बढ़ोतरी हुई है, लेकिन देश में अभी भी कर की चोरी बड़े पैमाने पर की जा रही है, जिसमें पढ़े-लिखे लोग भी शामिल हैं। जीएसटी के संदर्भ में राज्यों के प्रतिपूर्ति राशि का उपयोग, अनावश्यक खर्चों में कटौती, प्रत्यक्ष कर में बढ़ोतरी, विनिवेश आदि की मदद से सरकार राजकोषीय घाटे को लक्ष्य के अनुरूप रखने में सफल हो सकती है। जिन कारणों से जीडीपी वृद्धि दर दूसरी तिमाही में कम रही, उन्हें तात्कालिक कहा जा सकता है। मानसून एवं रुपए का कमजोर रहना, कच्चे तेल की कीमत में तेजी, देशी एवं वैश्विक बाजार में अनिश्चितता का माहौल आदि को अस्थायी कारण ही मानना चाहिए। बैंकिंग क्षेत्र में वसूली की रफ्तार बढ़ रही है। कुछ बैंकों के विलय से कमजोर बैंकों की स्थिति मजबूत होगी। कमजोर बैंकों को सरकार द्वारा सहायता पहुंचाने का काम जारी है। वित्त वर्ष 2019 के अंत तक मुनाफे वाले बैंकों की संख्या बढ़ने की संभावना बरकरार है। कारोबार को सुगम बनाने मोदी सरकार विश्व बैंक के साथ ज्यादा से ज्यादा सुधारों को अमलीजामा पहनाने की कोशिश कर रही है।

अगले साल भारत के शीर्ष 50 देशों की श्रेणी में पहुंचने की पुरजोर संभावना है। आर्थिक क्षेत्र में चल रहे सुधारों को दृष्टिगत करके ही नीति आयोग ने अपने रणनीतिक दस्तावेज में 2022-23 तक हर साल आठ प्रतिशत वृद्धि दर हासिल करने का लक्ष्य रखा है। आयोग चाहता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को चार लाख करोड़ डॉलर का बनाया जाए और केंद्र सरकार आठ प्रतिशत की जगह सीधे नौ प्रतिशत के विकास दर को पाने की कोशिश करे। विगत चार सालों में किए गए आर्थिक सुधारों को देखते हुए नीति आयोग के अनुमानों को अतिरंजना से परिपूर्ण नहीं कहा जा सकता है। नीति आयोग ने न्यू इंडिया के सपने को साकार करने के लिए एक रणनीतिक दस्तावेज पेश किया है। इसके अनुसार निवेश को जीडीपी के मौजूदा 29 प्रतिशत से बढ़ाकर साल 2022-23 तक 36 प्रतिशत किया जाएगा। ऐसे में नया साल आर्थिक मोर्चे पर बेहद महत्वपूर्ण है।

सतीश सिंह
(आर्थिक मामलों के जानकार)

ट्विटर

मंच के एक शानदार कलाकार, अद्भुत प्रतिभा के धनी थे कादर खान। मेरी कई सफल फिल्मों के एक प्रख्यात लेखक और एक गणितज्ञ कादर साहब नहीं रहे।

अभिताभ बच्चन, अभिनेता

कादर खान के जाने का बहुत दुख है। मैंने उनके साथ कई फिल्में कीं, उनसे काफी कुछ सीखने को मिला है एक्टिंग के बारे में, मंच के बारे में, जिंदगी के बारे में।

अनुपम खेर, अभिनेता

सत्यार्थ

ज्ञान से जरूरी है विवेक

स्वामी रामकृष्ण परमहंस अपने शिष्यों को अकसर बातचीत में भी अध्यात्म और नैतिकता की शिक्षा दिया करते थे। एक बार उन्होंने कहा कि सृष्टि ईश्वर की बनाई हुई है एवं कण-कण में ईश्वर का वास है। इस लिए प्रत्येक जीव के प्रति प्रेम का भाव रखना चाहिए। एक शिष्य ने इस बात को मन में बैठा लिया। एक दिन वह कहीं जा रहा था। रास्ते में उसने देखा कि सामने से एक हाथी आ रहा है। हाथी पर बैठा महावत चिल्ला रहा था- सामने से हट जाओ, हाथी पागल है। वह तो मेरे भी काबू में नहीं है। शिष्य ने यह बात सुनी, पर उसने सोचा कि गुरुजी ने तो कहा था कि सृष्टि के कण-कण में ईश्वर का वास है। अतः इस हाथी में भी ईश्वर का वास है। ईश्वर मुझे हानि कैसे पहुंचाएगा? यह सोचकर उसने महावत की चेतावनी पर कोई ध्यान नहीं दिया। उसने हाथी को ईश्वर का रूप मानकर और पास जाकर उसे साष्टांग प्रणाम किया। इससे हाथी भड़क गया और सूंड में लपेटकर उसे दूर फेंक दिया। शिष्य को इससे काफी पीड़ा हुई और वह कराहता हुआ जाकर परमहंस से बोला- आपने जो बताया था, वह सच नहीं है। यदि मुझ में भी वही ईश्वर है, जो हाथी में है, तो उसने मुझे फेंक क्यों दिया? रामकृष्ण परमहंस ने पूछा-क्या हाथी अकेला था? शिष्य ने कहा- नहीं, उस पर महावत बैठा चिल्ला रहा था कि हाथी पागल है। पास मत आओ। तब परमहंस बोले- पगले, हाथी ईश्वर का रूप था, तो उस पर बैठा महावत भी तो उसी का रूप था। तुमने महावत रूपी ईश्वर की बात नहीं मानी, इसलिए तुम्हें हानि उठानी पड़ी। आशय यह है कि ज्ञान और अध्यात्म के सिद्धांतों को आचरण में उतारते हुए विवेक से भी काम लेना चाहिए। बिना विवेक के अर्थ का अनर्थ हो जाता है।

ललित गर्ग

सार समाचार

रूस की इमारत में हुए विस्फोट में 14 लोगों की मौत की पुष्टि

मॉस्को। रूस की एक गगनचुंबी इमारत में नववर्ष की पूर्व संध्या पर हुए विस्फोट में 14 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। बचावकर्ता मलबे से शवों को निकालने का काम कर रहे हैं।

स्थानीय गवर्नर के कार्यालय ने बताया कि मैग्नितोगोर्स्क शहर की इमारत में गैस विस्फोट के बाद से 14 शव मिले हैं और 27 लोगों का अभी कुछ पता नहीं लग पाया है। उसने बताया कि मलबे से एक बच्चे समेत पांच लोगों को बचाया गया है और 86 निवासियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। कार्यालय ने कहा, ''घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य जारी है।''

अवैध रूप से सीमा पार करने वालों पर अमेरिका ने दागे आंसू गैस के गोले

तिजुआना (मेक्सिको)। अमेरिकी सीमा गश्त एजेंटों ने अवैध रूप से मेक्सिको सीमा पार करने की कोशिश में पथराव कर रहे आव्रजकों पर आंसू गैस के गोले छोड़े। इस दौरान 25 आव्रजकों को गिरफ्तार किया गया है। अमेरिका की सीमा गश्ती एजेंसी ने मंगलवार को इस बात की जानकारी दी। नवंबर में सैन डिएगो की घटना के बाद यह ऐसा दूसरा मामला है। एएफपी के एक पत्रकार के मुताबिक सोमवार रात करीब आठ बजे तकरीबन 100 लोगों का एक समूह प्लायस डि तिजुआना में सीमा के नजदीक जमा हुआ जहां अमेरिकी सीमा रक्षक गश्त कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सीमा पार करने की कोशिश की, जिसके जवाब में सीमा रक्षकों ने उनपर गोले दागे। अमेरिकी सीमाशुल्क और सीमा सुरक्षा एजेंसी (सीबीपी) ने कहा कि 45 आव्रजक वापस मैक्सिको चले गए हैं। इससे पहले नवंबर के आखिर में भी तिजुआना इलाके में अमेरिकी सीमा अधिकारियों ने सीमापार करने की कोशिश कर रहे करीब पांच सौ आव्रजकों पर आंसू गैस के गोले और रबड़ की गोलियां दागी थीं।

अमेरिका ने बांग्लादेश में कथित चुनावी धांधली के दावों पर चिंता जताई

वाशिंगटन। अमेरिका ने मंगलवार को बांग्लादेश में हाल में संपन्न आम चुनावों में उत्पीड़न, धमकाने, हिंसा और कथित धांधली की ''विश्वसनीय'' खबरों पर चिंता जताई और देश के चुनाव आयोग से अनियमितताओं के दावों पर गौर करने के लिए सभी पक्षों के साथ मिलकर काम करने का अनुरोध किया।

प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग और इसके सहयोगी दलों ने रविवार को हुए आम चुनावों में कुल 299 में से 288 सीटों पर जीत दर्ज की। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को 300 सदस्यीय संसद में केवल पांच सीटें मिलीं।

विदेश मंत्रालय के उपप्रवक्ता रोबर्ट पालादिनो ने कहा, ''अमेरिका उन लाखों बांग्लादेशियों की प्रशंसा करता है जिन्होंने 30 दिसंबर 2018 को बांग्लादेश के 11वें संसदीय चुनाव में मतदान किया। अमेरिका सभी प्रमुख विपक्षी राजनीतिक दलों के भागीदारी के फैसले की भी सराहना करता है क्योंकि यह 2014 में चुनावों के बहिष्कार के बाद एक सकारात्मक कदम है।''

भले ही रिश्तों में तल्खी हो, लेकिन भारत और पाक ने परमाणु प्रतिष्ठानों की लिस्ट साझा की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और पाकिस्तान ने द्विपक्षीय समझौते के तहत परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची साझा की. विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि द्विपक्षीय समझौते के प्रावधानों के तहत भारत और पाकिस्तान ने अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची साझा की. मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले पर प्रतिबंध संबंधी समझौते के तहत यह सूची साझा की गई है.

दोनों देशों के बीच इस समझौते पर 31 दिसंबर, 1988 को हस्ताक्षर हुआ था और यह 27 जनवरी 1991 को प्रभाव में आया. इसके तहत दोनों देश अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची एक-दूसरे के साथ साझा करते हैं.

कैदियों की सूची

इसके साथ ही दोनों देशों ने एक दूसरे की जेलों में बंद कैदियों की सूची भी साझा की. भारत और पाकिस्तान के बीच 21 मई, 2008 को हुए राजनयिक पहुंच संबंधी समझौते के तहत यह कदम उठाया गया. समझौते के तहत दोनों देशों को हिरासत में मौजूद कैदियों की सूची एक साल में दो बार- एक जनवरी और एक जुलाई को एक दूसरे के साथ साझा करनी होती है. दोनों देश बार बार तनाव के बावजूद कैदियों की सूची साझा करने की परंपरा का पालन करते रहे हैं.

विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, भारत ने 347 पाकिस्तानी कैदियों की सूची द्विपक्षीय समझौते के प्रावधानों के तहत पाकिस्तान के साथ साझा की. मंत्रालय ने बताया कि इन कैदियों में 98 मछुआरे और 249 अन्य कैदी शामिल हैं. वहीं, पाकिस्तान ने अपने यहां जेलों में बंद 537 भारतीय कैदियों की सूची भारत के साथ मंगलवार को साझा की. इन कैदियों में 483 मछुआरे और 54 अन्य लोग हैं.

विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने नागरिक कैदियों, गुमशुदा भारतीय रक्षा कर्मियों, मछुआरों एवं नौकाओं को जल्द छोड़ने को कहा है. 'इस संदर्भ में उन 17 भारतीय नागरिक कैदियों एवं 369 मछुआरों को रिहा करने में तेजी लाने को कहा है जिनकी नागरिकता की पुष्टि हो चुकी है.' मंत्रालय ने कहा कि इन कैदियों के लिये राजनयिक पहुंच सुलभ कराने को भी कहा गया है.

इसके अलावा पाकिस्तान से उनके 80 कैदियों के मामले में तेजी से प्रतिक्रिया देने को कहा गया है जिन्होंने अपनी सजा पूरा कर ली है.

चीन ने शेख हसीना को दी बधाई, निर्बाध चुनाव के लिए की सराहना

बीजिंग। चीन ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को संसदीय चुनाव में एकतरफा जीत पर शुभकामनाएं दीं और साथ ही निर्बाध चुनाव कराने के लिए उनकी सरकार की सराहना भी की। हसीना के नेतृत्व में अवामी लीग नीत महागठबंधन ने गत रविवार को हुए आम चुनावों में 299 में से 288 सीटों पर जीत हासिल की है। विपक्षी मोर्चा केवल सात सीटें ही हासिल कर पाया था। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लू कांग ने हसीना को बधाई देते हुए कहा, ''करीबी दोस्त और मित्रवत पड़ोसी के तौर पर हमने गौर किया कि बांग्लादेश में चुनाव सुचारू रूप से हुए।''

लू ने बुधवार को पत्रकारों से कहा, ''हम प्रधानमंत्री हसीना की पार्टी को चुनाव में जीत के लिए शुभकामनाएं देते हैं। हम चीन और बांग्लादेश की रणनीतिक सहयोगात्मक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए बांग्लादेश की नई सरकार के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं।'' चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री ली क्विंग ने भी सोमवार को हसीना को मुबारकबाद दी थी। चीन ने हसीना के एक दशक लंबे शासन के दौरान बांग्लादेश में बड़ा निवेश किया और ढाका के साथ सैन्य संबंध भी बनाए रखे।

किम जोंग उन के तेवर देख डोनाल्ड ट्रंप ने किया ट्वीट, 'मैं चेयरमैन से मिलने को लेकर उत्सुक हूं'

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वह उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन से मुलाकात को लेकर उत्सुक हैं. गौरतलब है कि किम ने एक दिन पहले ही अपने नववर्ष के संबोधन में कहा था कि यदि अमेरिका उसके खिलाफ दबाव बनाना और प्रतिबंध जारी रखता है तो वह अपने नरम रुख पर विचार करने को बाध्य होगा.

उत्तर कोरिया के शासक के भाषण का हवाला देते हुए ट्रंप ने ट्वीट किया है, मैं भी चेयरमैन किम से मिलने को लेकर उत्सुक हूं, जिन्हें यह अहसास है कि उत्तर कोरिया में आर्थिक क्षमता कूट-कूट कर भरी है.उन्होंने लिखा, किम जोंग उन कहते हैं कि उत्तर कोरिया कोई परमाणु हथियार नहीं बनाएगा, उनका परीक्षण नहीं करेगा और न ही उन्हें किसी और को देगा और वह राष्ट्रपति ट्रंप से किसी भी वक्त मिलने को तैयार हैं. पिछले वर्ष जून में ट्रंप और किम के बीच सिंगापुर में बातचीत हुई थी और दोनों नेताओं के बीच उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण और अन्य मुद्दों पर सहमति बनी थी.

आपको बता दें कि उत्तर कोरियाई नेता ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ सिंगापुर में जून में हुई शिखर वार्ता का हवाला देते हुए कहा बातचीत 'सफल' रही और 'रचनात्मक विचारों का आदान-प्रदान किया गया.' उस दौरान दोनों नेताओं ने कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन वाशिंगटन और प्योंगयांग के बीच उसके वास्तविक अर्थ को लेकर चल रही बहस के कारण यह बाधित है.

उत्तर कोरिया पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों के कई प्रतिबंध लगे हैं, जिससे परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल हथियारों के कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगा गया है. किम ने कहा, ''मैं अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ कभी भी बातचीत को तैयार हूं और अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा स्वीकार्य नतीजे निकालने के पूरे प्रयास करेंगे.''

पाकिस्तान के लिए 'अति उन्नत' युद्धपोत बना रहा चीन: रिपोर्ट

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन अपने 'सदाबहार' मित्र पाकिस्तान के लिए एक 'अति उन्नत' युद्धपोत बना रहा है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद महासागर में 'शक्ति संतुलन' सुनिश्चित करने के लिए दोनों देशों के बीच एक बड़ा द्विपक्षीय हथियार समझौता हुआ था और पाकिस्तान ने इस तरह के चार अत्याधुनिक युद्धपोत चीन से खरीदने की घोषणा की थी। मौजूदा पोत इन्हीं में से एक है।

चीन के अखबार 'चाइना डेली' ने चाइना स्टेट शिपबिल्डिंग कॉरपोरेशन (सीएसएससी)को यह कहते हुए उद्धृत किया है कि यह युद्धपोत आधुनिक खोजी एवं हथियार प्रणाली से लैस होगा। यह पोत रोधी, पनडुब्बी रोधी और वायु रक्षा अभियान में दक्ष होगा। यह निर्माणाधीन पोत चीनी नौसेना के अत्याधुनिक गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट का संस्करण है।

सीएसएससी ने हालांकि पोत के प्रकार के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। इस पोत का निर्माण शंघाई स्थित हुदोंग-झोंगहुआ पोत कारखाने में हो रहा है। चीन को इस्लामाबाद का ''सदाबहार मित्र'' कहा जाता है और वह पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति करने वाला सबसे बड़ा देश है। दोनों देश संयुक्त रूप से जेएफ-थंडर का निर्माण भी कर रहे हैं। यह एकल इंजन वाला लड़ाकू विमान है।

भारत में नए साल में जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या 70 हजार, दुनिया में सर्वाधिक: यूनिसेफ

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

माना जा रहा है कि नए साल के पहले दिन दुनियाभर में 395,000 बच्चों ने जन्म लिया. भारत में इस दिन जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या 70,000 है, जो कि दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले सर्वाधिक है. यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) से मिली है. ऐसा माना जा रहा है कि कैलेंडर में 2019 की शुरुआत में दुनियाभर में 395,072 बच्चों का जन्म होगा. अनुमान है कि इनमें से आधे से ज्यादा बच्चे भारत, चीन, पाकिस्तान, संयुक्त राज्य अमेरिका और बांग्लादेश सहित आठ देशों में जन्में हैं.

दूसरे नंबर पर चीन

भारत में कुल 69,944 बच्चों के जन्म का अनुमान लगाया गया है. वहीं इसके बाद चीन में 44, 940 बच्चे, नाइजीरिया में 25,685 बच्चे, पाकिस्तान में 15,112 बच्चे, इंडोनेशिया में 13, 256 बच्चे, अमेरिका में 11,086 बच्चे, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो 10,053 बच्चे और बांग्लादेश में 8,428 बच्चों के जन्म का अनुमान है.

नया साल आते ही सबसे पहले फिजी में बच्चों का जन्म हुआ जबकि सबसे अंत में अमेरिका में बच्चों का जन्म हुआ. यूनिसेफ ने सभी राष्ट्रों से प्रत्येक नवजात बच्चों के स्वस्थ और जीवित रहने के अधिकार को सुनिश्चित करने को कहा है. एजेंसी की उप कार्यकारी निदेशक शार्लेट पेट्री गोर्निंटज्का ने दुनिया के देशों से प्रत्येक बच्चे के जीवित रहने के अधिकार सहित उनके अन्य अधिकारों को सुनिश्चित करने की अपील की है.

इंटरपोल ने पूर्व राजदूत के खिलाफ कार्रवाई के पाकिस्तान के अनुरोध को ठुकराया

वाशिंगटन (एजेंसी)।

इंटरपोल ने अमेरिका में पाकिस्तान के पूर्व राजदूत हुसैन हक्कानी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने से एक बार फिर इनकार कर दिया है. हक्कानी देशद्रोह तथा धन की हेरा-फेरी के मामलों में वांछित हैं. सुप्रीम कोर्ट ने हक्कानी को पिछले साल पेश करने के लिए संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) को वारंट जारी किए थे लेकिन इंटरपोल ने पिछले साल अप्रैल में गिरफ्तारी वारंट जारी करने से इनकार कर दिया था. जिसके बाद पाकिस्तानी अधिकारियों ने एक बार फिर इंटरपोल से संपर्क साधा लेकिन इंटरपोल ने पूर्व पाकिस्तानी राजदूत के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने से पुन- इनकार कर दिया. हक्कानी पाकिस्तानी सेना के कट्टर आलोचक हैं. इंटरपोल के मुताबिक, उसने पाकिस्तान के वारंट के जवाब में कहा है कि हक्कानी के खिलाफ आपराधिक आरोप राजदूत पद से इस्तीफा देने के सात वर्ष बाद लगाए गए हैं जो राजनीति से प्रेरित प्रतीत होते हैं. पाकिस्तान की सरकार इंटरपोल द्वारा दूसरी बार इनकार करने के बाद हक्कानी के प्रत्यर्पण के लिए विदेश मंत्रालय से अमेरिकी सरकार के साथ संपर्क करने के लिए कहने पर विचार कर रही है.

इराक के कुर्द क्षेत्र में 'खतना' के खिलाफ आवाज उठा रही हैं महिलाएं

(एजेंसी)।

इराक के एक कुर्द गांव में ठंड में काले बादलों और बारिश के आसार के बावजूद एक महिला घर के बंद दरवाजे के बाहर खड़ी है. वह वहां से हिलने को तैयार नहीं है, क्योंकि उसे डर है कि उसके जाने के बाद उस घर में रहने वाली महिलाएं अपनी दो बच्चियों का खतना कर देंगी.बचपन में खतने का दंश झेल चुकीं 35 वर्षीय रसूल घर के बाहर खड़ी हैं और आवाज लगा रही हैं ''मुझे मालूम है कि आप घर में हैं. मुझे सिर्फ बात करनी है.''

कुर्द इलाके में चल रहा है अभियान

इराक के कुर्द इलाके में महिलाओं/बच्चियों के खतने के खिलाफ जबरदस्त अभियान चलाने वाले 'वादी' एनजीओ की कार्यकर्ता रसूल कई बच्चियों के लिए देवदूत जैसी हैं. एक वक्त इराक के कुर्द इलाके में बच्चियों/महिलाओं के बीच खतना बहुत सामान्य बात थी. लेकिन 'वादी' के अभियान ने काफी हद तक इस संबंध में महिलाओं की सोच बदली है और अब पूरे इराक के मुकाबले कुर्द क्षेत्र में बच्चियों के खतने की संख्या में कमी आयी है.

इमाम की सोच को बदलने की कोशिश

रसूल क्षेत्रीय राजधानी अरबिल के पूर्व में स्थित शरबती सगीरा गांव में खतने के खिलाफ जागरुकता फैलाने और इस परंपरा को बंद कराने के लिए 25 बार जा चुकी हैं. वह गांव के इमाम की सोच को बदलने का प्रयास कर रही हैं, जो सोचते हैं कि खतना इस्लामिक परंपरा है. वह गांव की प्रशिक्षित दाईयों को खतने से होने वाले नुकसान, उसके कारण वर्षों तक होने वाले रक्तस्राव, संक्रमण के खतरों और मानसिक प्रताड़ना के संबंध में समझाती हैं.

कानून में किया गया था बदलाव

इराक के कुर्द इलाके की बात करें तो इसे सामान्य तौर पर महिलाओं के लिए प्रगतिशील क्षेत्र माना जाता है लेकिन यहां भी दशकों से बच्चियों के खतने की परंपरा रही है. तमाम अभियानों के बाद कुर्द प्राधिकार ने 2011 में खतने को घरेलू हिंसा कानून के तहत शामिल कर खतना करने वालों के लिए अधिकतम तीन साल की सजा और करीब 80,000 अमेरिकी डॉलर के जुर्माने का प्रावधान किया था.

2014 में हुआ था 58.5त्न महिलाओं का खतना

कानून बनने और एनजीओ के अभियानों के बाद खतने की संख्या में कुछ कमी भी आई है. यूनिसेफ के अनुसार, 2014 में कुर्द क्षेत्र की करीब 58.5 प्रतिशत महिलाओं का खतना हुआ था.क

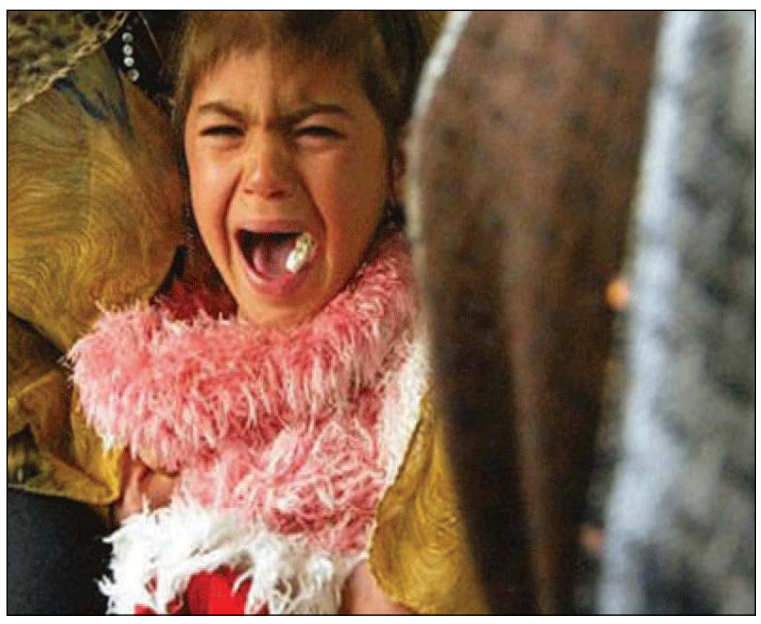

बांग्लादेश: वोटिंग में अनियमितता की 'झूठी' खबर छापने के आरोप में पत्रकार गिरफ्तार

ढाका (एजेंसी)।

बांग्लादेश के एक प्रमुख मीडिया समूह से जुड़े एक पत्रकार को, देश में हाल ही में संपन्न आम चुनाव के दौरान मतदान में अनियमितता की कथित रूप से 'झूठी' खबर प्रकाशित करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. एक मीडिया रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है. ढाका ट्रिब्यून ने पुलिस को यह कहते हुए उद्धृत किया कि बांग्ला ट्रिब्यून एवं प्रोबाहो से जुड़े हुए हिदायत हुसैन मोल्ला ने खबर दी थी कि खुलना-1 संसदीय क्षेत्र में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या से 22,419 मत अधिक पड़े. वरिष्ठ अधिकारी महबूबुबर रहमान ने बताया कि खुलना के सहायक रिटर्निंग अधिकारी देबाशीष चौधरी ने प्राथमिकी दर्ज कराई जिसके बाद पत्रकार को मंगलवार को डिजिटल सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया गया. इस प्राथमिकी में 'मानबजमीन' नामक अखबार से संबद्ध पत्रकार रशीदुल इस्लाम का भी नाम है. उसे अभी गिरफ्तार नहीं किया गया है. इस जांच का जिम्मा संभाल रहे निरीक्षक सरकार इब्राहिम सोहेल ने बताया, 'प्रारंभिक जांच से पता चला है कि खबर गलत जानकारी पर आधारित थी.' प्रधानमंत्री शेख हसीना की अगुवाई वाली अवामी लीग और उसके सहयोगियों को 299 सीटों में से 288 सीटों पर मिली जीत के दो दिन बाद पत्रकार को गिरफ्तार किया गया है.

भाजपा सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में कांग्रेस ने किया धरना प्रदर्शन

सूरत । गुजरात राज्य के अलग-अलग विभागों में किए जा रहे भ्रष्टाचार के सामने सूरत शहर जिला कांग्रेस समिति के प्रमुख बाबू भाई रायका के नेतृत्व में आठवां लाइंस स्थित कलेक्टर कार्यालय प्रांगण में विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के यह स्वीकार करने के बाद की राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार हुआ है कांग्रेस ने इसको मुद्दा बनाते हुए भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की माग की । कांग्रेस का कहना है कि भाजपा सरकार पूरी तरह भ्रष्टाचार में डूबी हुई है मुख्यमंत्री का कबूल नामा यह साबित करता है भाजपा सरकार आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी हुई है कांग्रेस द्वारा आयोजित धरना प्रदर्शन के इस कार्यक्रम में मनपा में विपक्ष के नेता प्रफुल्लभाई तोगड़िया पूर्व प्रमुख शंभू प्रजापति रविंद्र पाटील प्रभूदास पटेल विजय पानसूरिया, मेंघना पटेल महेंद्र सूतरिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता तथा पदाधिकारी शामिल हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना था कि सत्ता के मद में चूर भाजपा के सता को यह लग रहा है कि वे कितना भी भ्रष्टाचार करें उनके खिलाफ बोलने वाला कोई नहीं है। इसलिए सत्ता और पद का दुरुपयोग कर आम जनता की गाढ़ी कमाई लूटने में लगे हुए हैं जब तक भ्रष्टाचारियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कार्रवाई नहीं की जाती तब तक कांग्रेसी कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन करते रहेंगे।

महा आरती के साथ गोडादरा मैं संपन्न हुआ श्री राम कथा

सूरत। शहर के गोडादरा क्षेत्र आयोजित श्री राम कथा के अंतिम दिन मंगलवार को महा आरती का आयोजन किया गया । इसमें सांसद सहित उत्तर भारतीय समाज के कई अग्रणीयों ने शामिल होकर धन्यता का अनुभव किया।

24 दिसंबर 2018 से 1जनवरी 2019 तक चले श्री राम कथा का रब्बा व्यासपीठ से श्री राम भक्त स्वामी विशुद्धानंद सरस्वती द्वारा कराया गया कथा का शुभारंभ 24 दिसंबर 2018 सोमवार की सुबह 8:00 बजे कलश यात्रा से की गई कुरादा नहर हनुमान मंदिर के निकट श्रीजी नगर स्थित राम मंदिर प्रांगण में आयोजित श्री राम कथा का रसपान प्रतिदिन भक्तों ने रात्रि 8:00 बजे से 11:00 बजे तक किया कथा के अंतिम दिन महा आरती का आयोजन किया गया जिसमें सांसद सीआर पाटील उत्तर भारतीय समाज के अग्रणी तथा ब्राह्मण समाज के प्रमुख राम नरेश मिश्रा एडवोकेट विनय शुक्ला छोटू मामा दिनेश राजपुरोहित गडर समिति के चेयरमैन तथा पार्षद अमित सिंह राजपूत सहित कई सामाजिक अग्रणी यों ने शामिल होकर अपने जीवन को धन्य किया कथा के अंतिम दिन व्यासपीठ से कथावाचक स्वामी विनोद आनंद सरस्वती ने केवट द्वारा राम लक्ष्मण जानकी के नदी पार ले जाने के प्रसंग का वर्णन किया स्वामी विनोद जी ने कथा का वर्णन करते हुए कहा कि जब प्रभु श्री राम ने केवट से नदी के उस पार ले जाने के लिए कहा केवट ने पहले उनके चरण धोने का आग्रह किया केवट ने कहा कि प्रभु आप की महिमा अपरंपार है आपके चरण रज के स्पर्श मात्र से पत्थर सुंदर नारी में परिवर्तित हो सकता है तो मेरी काठ की नाव की क्या औकात है अत: जब तक मैं आपके चरण नहीं पखार लूंगा तब तक मै आपको उस पार नहीं ले जाऊंगा। जब केवट ने राम, लक्ष्मण और जानकी को नदी पार उतार दिया तो खेवाई के तौर पर भेट के रूप में द्वारा दिए गए भेट को उसने यह कहते हुए लेने से इंकार कर दिया हे प्रभु मैं तो इस नदी का खेवनहार हूं आप तो भवसागर के खेवनहार हैं। ऐसे मे मैं आपसे खेवाई नहीं ले सकता जब मैं आपके भवसागर से पार होने के लिए आऊंगा तो आप मुझे बिना खेवाई लिए उस पार उतार दिजिएगा।

सूरत में दो दिवसीय इंट्रनेश्नल टेक्सटाईल एग्जिबिशन का आयोजन

द सर्दन गुजरात चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, द सर्दन गुजरात चेबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री डेवलपमेंट सेंटर तथा उद्योग कमिश्नर गुजरात सरकार के संयुक्त तत्वाधान में 4 जनवरी 2019 से 6 जनवरी 2019 के बीच सरथाणा स्थित सूरत इंटरनेशनल एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में संपूर्ण टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज के लिए सूरत इंटरनेशनल टैक्सटाइल एग्जिबिशन 2019 का आयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी में टैक्सटाइल मशीनरी में प्रयुक्त होने वाले सभी प्रकार की एसेसरीज तथा साधन सामग्री उपस्थित होंगे। प्रदर्शन के दौरान प्रतिदिन शाम 4:00 बजे से सिनिरियो आफ टैक्सटाइल मशीनरी विषय पर सेमिनार का आयोजन होगा। यह प्रदर्शन प्रात: 10:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक आम नागरिकों के लिए खुला रहेगा।

नष्ट होने से किसान ने आत्महत्या की

अहमदाबाद । गुजरात के सुरेन्द्रनगर जिले में फसल नष्ट हो जाने से एक और किसान ने आत्महत्या कर ली है। सासण गांव निवासी किसान घनश्याम नरसिंह भाई मिठापरा ने बुधवार को अपने खेत में ही जहर पी लिया। जिसके बाद उसे निकट के चुड़ा अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पिछले दिनों सुरेन्द्रनगर जिले में कपास फसल खराब होने से दो किसानों ने आत्महत्या कर ली थी।

राज्य सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाजों की खरीदी शुरू

सूरत। राज्य के किसानों को उनकी फसलों की उचित कीमत दिलाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाज खरीद केंद्र शुरू किए गए हैं राज्य सरकार के न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत सूरत जिले में 533 क्विंटल मक्के की खरीदारी कर 9.06 लाख तथा धाम की 415 क्विंटल की खरीदारी कर 7.27 लाख तथा मूंगफली की 3324 बोरियों की खरीदारी कर 29 लाख रूपों का भुगतान किसानों को किया गया जबकि तापी जिला में 533 क्विंटल मक्के की खरीदारी कर 9.06 तथा धान की खरीदारी कर किसानों को 25.84 लाख रूपयो का भुगतान किया गया इस प्रकार सरकार में राज्य के सभी जिलों की मंडियों में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर आज खरीदने के लिए निर्देश दिया है जिससे किसानों को उनकी लागत का कम से कम दुगुना मूल्य मिल सके राज्य सरकार किसानों की भलाई के लिए हर संभव प्रयास कर रही है जिसके तहत किसानों को फसल बीमा तथा अन्य सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है राज्य सरकार ने सभी जिला के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जब तक किसानों की सभी अनाजों की खरीदारी ना हो जाए तब तक किसान मंडियों को लगातार जारी रखा जाए साथ ही यह भी ध्यान रखा जाए किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना ना करना पडे।

पुलिस विभाग की सेवाओं की जानकारी अब ऑनलाइन प्राप्त हो सकेगी

सूरत । गुजरात सरकार गृह विभाग द्वारा आधुनिक तकनीकी का प्रयोग कर पुलिस की कार्य क्षमता तथा कार्य कुशलता को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है आम नागरिकों को पुलिस विभाग से संपर्क करने के लिए कार्यालय तक ना जाना पड़े तथा उनके कीमती समय का बचत हो सके इस उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा सिटीजन पोर्टल का आरंभ किया गया है जिसके अंतर्गत नागरिकों को पुलिस की कई सेवाएं इंटरनेट के माध्यम से घर बैठे प्राप्त हो सकेंगे सिटीजन पोर्टल द्वारा लोगों को अपना रजिस्ट्रेशन कराने के बाद पुलिस की 16 सेवाएं ऑनलाइन मिल सकें गी नागरिकों को इन सेवाओं का उपयोग करने के लिए होटल का रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है जिसमें नागरिकों को अपना नाम पता कांटेक्ट नंबर इत्यादि की जानकारी देनी होगी प्रत्येक नागरिक को अपना यूनिक यूजर नेम तथा पासवर्ड दिया जाएगा इस पोर्टल से नागरिकों द्वारा ईगुज्कोप एप्लीकेशन में दर्ज कराए गए एफ आई आर की जानकारी प्राप्त हो सकेगी इन सेवाओं की मदद से कोई भी नागरिक सीनियर सिटीजन पंजीकरण किराएदार का पंजीकरण ऑनलाइन एनओसी तथा पुलिस जांच प्रमाण पत्र भी प्राप्त कर सकता है सिटीजन पोर्टल द्वारा व्यक्ति की जानकारी चोरी तथा वस्तु की जानकारी धर पकड़ तथा व्यक्ति की जानकारी लावारिस लाश की जानकारी तथा पहचान ऑनलाइन प्राप्त हो सकेगी राज्य सरकार गृह विभाग के इस पहल से नागरिकों को इन तमाम सुविधाओं की प्राप्ति के लिए पुलिस स्टेशनों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे इससे ना केवल नागरिकों की सुविधाओं का विकास होगा बल्कि पुलिस की कार्यक्षमता तथा कार्य कुशलता मे भी बढोत्तरी होगी।

सूरत। सलाबतपुरा रेशमवाड़ में स्थित राज राजश्वरी श्री सप्तश्रृंगी देवी मंदिर में मंदिर की सालगिरी के अवसपर पर यक्ष का आयोजन किया गया।

पेपर लीक घोटाले में दहीया गैंग के तीन आरोपी गिरफ्तार

अहमदाबाद । गुजरात सहित देशभर में खलबली मचाने वाले लोकरक्षक भर्ती दल पेपर लीक घोटाले में एक महीने की गहन जांच के आखिर में गुजरात पुलिस को बहुत बड़ी सफलता मिली है । अहमदाबाद क्राइमब्रांच, एटीएस और गांधीनगर पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में पेपर लीक घोटाले में मुख्य सूत्रधार आरोपी दहीया गैंग के तीन आरोपियों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया है । हरियाणा के सोनीपत के विनय रमेशकुमार अरोरा, कर्नाटक के बीडर के निवासी महादेव दत्तात्रेय अस्तुर और विनोद बंसीलाल राठोड को पुलिस ने गिरफ्तार करके पूरी साजिश का पर्दाफाश किया गया । जिसमें चौंकाने वाली बात सामने आई है कि, हरियाणा और दिल्ली स्थित यह प्रोफेशनल गैंग ने कर्नाटक के तीन आरोपियों की मदद से कर्नाटक के उडुपी जिले की मनीपाल में प्रिन्टिंग प्रेस से लोकरक्षक भर्ती दल के पेपर की चोरी कराई गई थी।

शादी का झांसा देकर थाईलैंड सिंगापुर में युवती से बलात्कार

सूरत। शहर के वराछा क्षेत्र की एक युवती को शादी का झांसा देकर सिंगापुर थाईलैंड ले जाकर युवती की मर्जी के विरुद्ध कई बार शारीरिक संबंध बनाने तथा बलात्कार किए जाने की शिकायत वराछा पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है वराछा पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार एल एच रोड , राधा कृष्ण मंदिर के पीछे हीरानगर सोसायटी के प्लॉट नंबर 28 में रहने वाले मयंक रमेश भाई सोनी ने फरियादी युवती से शादी को झांसा देकर कई बार युवती की इच्छा के विरुद्ध शारीरिक संबंध बनाने तथा मारपीट करने का शिकायत दर्ज कराया गया है। युवती द्वारा दी गई शिकायत में कहा गया है कि आरोपी मयंक में उसके साथ सिंगापुर तथा थाईलैंड के होटलों में कई बार शारीरिक संबंध बनाए और उसके बाद धोखा देकर उसे छोड़ दिया मयंक ने युवती को दिए उधार के पैसे देने की बार बार दबाव भी डाला और पैसे ना दे पाने की स्थिति में युवती के साथ मारपीट की। पुलिस में युवती के शिकायत के आधार पर आरोपी के विरुद्ध बलात्कार का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)